राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 234 | जौनपुर | सोमवार, 14 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने मनाया विजय दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद हरदोई इकाई ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा जापान के सहयोग से 1942 में आजाद हिन्द फौज के गठन के बाद 1944 में आजाद हिन्द फौज द्वारा मणिपुर के मोइरांग में तिरंगा फहराया गया था,और नागालैंड को ब्रिटिश साम्राज्य के चंगुल से आजाद कराया था, यह एक भीषण ऐतिहासिक युद्ध था, यह युद्ध 26 दिनों तक चला था,कर्नल शौकत मलिक द्वारा मोरांग में भारतीय ध्वज फहराया गया था, इसमें एक महिला रेजीमेंट भी थी, जिसका नाम झांसी की रानी था, नेता जी का नारा था कि तुम मुझे खून दो मै तुम्हे आजादी दूंगा, आजाद हिन्द फौज की स्थापना सिंगापुर में हुई थी,

आंबेडकर ने कहा था कि हमारा आदि और अंत एक भारतीय के रूप में रहेगा– सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है। रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है। योगी ने कहा कि पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्ध्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिसको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप–धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं। लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इसे अपनी मंजूरी दे दी थी। वक्फ (संशोधन) विधेयक आने के बाद से ही तमाम मुस्लिम संगठन समेत विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले उनकी याद में शुरू किए गए अभियान की विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हम सही तथ्य जनता जनार्दन के सामने नहीं रखेंगे तो जो लोग गुमराह करके अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करते रहेंगे और वे लोग इसी प्रकार गुमराह करके, देश में अव्यवस्था पैदा करके दलितों, वंचितों का शोषण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे दलितों, गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित करते रहेंगे। इसलिए कार्ययोजना के साथ भाजपा की कार्यशाला यहां आयोजित हो रही है। योगी ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर की जहां कहीं भी प्रतिमा है, उनके नाम पर पार्क है, वहां आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सरकार के अधिकारीगण स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं। कांग्रेस पर आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले उन्होंने (जाहिर तौर पर कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए) बाबासाहेब आंबेडकर को चुनाव हारने पर मजबूर किया। उनके महापरिनिर्वाण के बाद, उन्होंने दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार नहीं होने दिया। कांग्रेस ने उनका स्मारक भी नहीं बनने दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस ने) 1976 में संविधान में संशोधन किया और एक ऐसा शब्द जोड़ा, जिसके खिलाफ बाबासाहेब ने खुद तर्क दिए थे। आंबेडकर ने छह दिसंबर 1956 को दिल्ली में अपने घर में अंतिम सांस ली थी और उनका अंतिम संस्कार बौद्ध परंपराओं के अनुसार किया गया था। उनका अंतिम संस्कार महाराष्ट्र के मुंबई शहर में चौत्य भूमि पर हुआ था।

बंगाल हिंसा पर भी बोले मनोज तिवारी

बिहार ,(एजेंसी)। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने शनिवार को बक्सर में मीडिया से बातचीत के दौरान विपक्षी पार्टियों पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि चाहे तेजस्वी हों, पीके हों या कांग्रेस इनका उद्देश्य बिहार की समस्याओं को हल करना या राज्य में समृद्धि लाना नहीं है. ये लोग केवल निजी लाभ पर ध्यान केंद्रित करते हैं. सत्ता में आने पर अपना–अपना घर भरते हैं. अपराध का नंगा नाच करते है. बिहार आज एनडीए के साथ मजबूती से खड़ा है. राज्य के हर कोने में विकास हो रहा है.। उन्होंने आगे कहा कि दो दिन बाद बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आएंगे, बहुत सारी बातें बताएंगे. मेरा पूरा विश्वास है कि अगले पांच साल में बिहार को हम एक विकसित बिहार के रास्ते पर दौड़ा लेंगे. जब तक देश विकसित होगा, उससे पहले बिहार को विकसित करके देंग पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा पर भी बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की प्रतिक्रिया आई है.।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के आरोपी व्यक्ति का नवी मुंबई जेल में शव मिला

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण शहर में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के आरोपी व्यक्ति ने रविवार तड़के तलोजा केंद्रीय जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी विशाल गवली (35) सुबह करीब साढ़े तीन बजे जेल के शौचालय में लटका हुआ पाया गया। खारघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गवली शौचालय गया और कथित तौर पर एक तौलिये का इस्तेमाल करके उसने फांसी लगा ली। बाद में जेल अधिकारियों को गवली का शव मिला।

स्थानीय पुलिस को तुरंत सूचित किया गया और पंचनामा किया गया। अधिकारी ने बताया कि मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल में भेज दिया गया है। गवली पर 12 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और उसकी हत्या करने का आरोप था। अधिकारियों ने पहले बताया था

कि लड़की 24 दिसंबर को कोलसेवाड़ी इलाके से लापता हो गयी थी और बाद में उसका शव पडघा के बापगांव में मिला था। कोलसेवाड़ी पुलिस द्वारा की गई जांच के बाद गवली और उसकी पत्नी साक्षी को फिरौती के लिए अपहरण, बलात्कार, हत्या, सबूतों को गायब करने और भारतीय न्याय संहिता तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कल्याण पुलिस ने इस साल फरवरी में दंपति के खिलाफ 948 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। पुलिस ने पहले एक बयान में कहा था, विशाल गवली ने लड़की के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी, जबकि साक्षी ने लड़की के शव को बापगांव में फेंकने में मदद की।

उत्तराखंड सरकार के लिए 'गोल्डन कार्ड' बना चुनौती, अस्पतालों में मरीजों के इलाज पर गहराया संकट

उत्तराखंड, ,(एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत जारी गोल्डन कार्ड की विश्वसनीयता बनाए रखना अब बड़ी चुनौती बनता जा रहा है. सरकारी व निजी अस्पतालों में इस योजना के तहत इलाज की सुविधा तो जारी है, लेकिन राज्य सरकार पर बढ़ते वित्तीय दबाव के चलते कई अस्पताल अब इस योजना के तहत मरीजों का इलाज करने से पीछे हट रहे हैं. बीते एक वर्ष में राज्य के अस्पतालों ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लगभग 300 करोड़ रुपये का इलाज किया है, जबकि सरकार अब तक केवल 120 करोड़ रुपये ही जारी कर पाई है. शेष 180 करोड़ रुपये का भुगतान लटकने के कारण अस्पतालों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और उनका कहना है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो वे इस योजना के मरीजों का इलाज नहीं कर पाएंगे. राज्य के 128761 सेवा प्रदाताओं में से 91390 पंजीकृत अस्पतालों, फार्मेसियों व लैब्स ने सेवा दी है, लेकिन भुगतान में देरी के चलते उनमें असंतोष व्याप्त है. अस्पतालों का कहना है कि इलाज के बदले जो खर्च किया जा रहा है, उसका भुगतान समय पर नहीं मिल रहा. इससे अस्पतालों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है. । आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड योजना के तहत लाखों गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान की जा रही है. लेकिन अब यही योजना अपने अस्तित्व को लेकर संकट में नजर आ रही है. अस्पतालों की असहमति से कार्ड धारकों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है, जिससे सरकार की छवि भी प्रभावित हो रही है. इन परिस्थितियों को देखते हुए राज्य सरकार ने समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए हैं. योजना के संचालन से जुड़ी मुख्य एजेंसी राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अधिकारियों को भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र करने के निर्देश दिए गए हैं. सचिव स्तर पर अधिकारियों की बैठक कर इस मामले में समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई है. सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार को केंद्र से मिलने वाले बजट में भी कमी आई है. योजना के तहत अब तक कुल 510 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जबकि इसके अनुपात में अनुदान पर्याप्त नहीं मिल पा रहा. यही वजह है कि राज्य सरकार के सामने बजटीय संकट खड़ा हो गया है. राज्य के प्रमुख सचिव स्वास्थ्य दिलीप जावलकर ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत हो रही दिक्कतों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं. उनका कहना है कि अस्पतालों का बकाया भुगतान जल्द किया जाएगा. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए उच्च स्तर पर लगातार समीक्षा की जा रही है. आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड योजना एक क्रांतिकारी पहल है, जिसने लाखों गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुविधा दी है. लेकिन भुगतान में हो रही देरी और अस्पतालों की नाराजगी इसके भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा रही है. यदि सरकार समय रहते समाधान नहीं निकालती, तो योजना की चमक फीकी पड़ सकती है और सबसे बड़ा नुकसान गरीब मरीजों को उठाना पड़ सकता है.

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर युवाओं में अलख जगाएगी योगी सरकार

अंबेडकरनगर, ,(एजेंसी)। योगी सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को बड़े ही धूमधाम से मना रही है. इस अवसर पर युवाओं को बाबा साहेब के विचारों से परिचित कराने के लिए कई कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है. आज 13 अप्रैल से ही लखनऊ समेत प्रदेश भर में आयोजन शुरू हुए है, जिनमें रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी शामिल है. आज 13 अप्रैल की सुबह 6रू30 बजे मरीन ड्राइव से अंबेडकर पार्क तक श्भीम पदयात्राश निकाली गई. यह आयोजन श्माय भारतश के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) और नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा किया गया. इस पदयात्रा में लखनऊ विश्वविद्यालय समेत आठ से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 1400 छात्र–छात्राएं भाग लिए. इसके आलावा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर मैराथन दौड़ हुई. यह दौड़ केडी सिंह बाबू स्टेडियम से 1090 चौराहे तक 5 किलोमीटर की दौड़ हुई. इस दौड़ में यूपी भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह और नेता नीरज सिंह शामिल हुए. बाबा साहेब की जयंती पर 14 अप्रैल को अंबेडकर पार्क, अंबेडकर महासभा और अंबेडकर विश्वविद्यालय में भव्य सांस्कृतिक आयोजन होंगे. संस्कृति विभाग की ओर से देश–प्रदेश के कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा. डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल में दोपहर 1 बजे से रात 8रू30 बजे तक कार्यक्रम चलेंगे. लखीमपुर खीरी के श्यामजीत सिंह, मऊ के त्रिभुवन भारती लोकगीत प्रस्तुत करेंगे, जबकि लखनऊ के विपिन कुमार श्अभी सपना अधूरा हैश नामक नृत्य नाटिका से बाबा साहेब के जीवन को दर्शाएंगे. निहारिका कश्यप व टीम श्अंबेडकर प्याराश नामक प्रस्तुति देंगी. मुंबई के अनिरुद्ध वनकर सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देंगे. कार्यक्रम का उद्घाटन पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह करेंगे. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में मुंबई के सचिन वाल्मीकि सांस्कृतिक संध्या पेश करेंगे. वहीं अंबेडकर महासभा परिसर में सुबह 9 बजे से समारोह आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे. लखनऊ के रामनिवास पासवान, भदोही की लक्ष्मी रागिनी, शुभम रावत और जया कुमारी की प्रस्तुतियां होंगी. साथ ही, बाबा साहेब के जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी.

लखनऊ में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर बवाल, अखिलेश यादव ने किस पर निकाली भड़ास

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती से पहले उनकी की प्रतिमा हटाए जाने के मामले ने प्रदेश के सियासी हल्कों में सरगर्मी ला दी है. लखनऊ के महिंगवा थाना क्षेत्र के खंतरी गांव में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति हटाने जाने के मामले में समाजवादी पार्टी चीफ व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तीखी प्रतिक्रिया दी है. अंबेडक की प्रतिमा हटाये जाने के विरोध सपा चीफ ने शासन–प्रशासन पर बड़ा हमला बोला है. अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, ष्लखनऊ में बाबासाहेब की मूर्ति को हटाने का जो दुस्साहस प्रशासन कर रहा है, उसके पीछे शासन का जो दबाव है, उसे पीडीए समाज अच्छी तरह समझ रहा है. किसी के जातीय वर्चस्व का अंहकार कभी गोरखपुर में मूर्ति–चबूतरा हटाने का काम करवाता है, तो कभी लखनऊ में अपने राजनीतिक प्रभुत्व के दंभ को साबित करने के लिए महापुरुषों की मूर्ति हटाने का कुकृत्य करवाता है. जनाकांक्षा की अवहेलना जनाक्रोश को जन्म देती है. पीडीए कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! दरअसल राजधानी लखनऊ के महिंगवा थाना क्षेत्र के खंतरी गांव में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को प्रशासन ने अवैध मानते हुए हटाने की कार्रवाई शुरू की. जिसका ग्रामीणों ने विरोध कर दिया, देखते–देखते ही स्थिति बेकाबू हुई और ग्रामीणों की भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया. इस प्रदर्शन में कई पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं.।

महाराष्ट्र में दंगों की जिम्मेदार सरकार- संजय राउत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह शनिवार (12 अप्रैल) को रायगढ़ किला पहुंचे थे, जहां उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन किया और फिर जनता को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने औरंगजेब विवाद पर भी बात रखी. अमित शाह ने कहा कि औरंगजेब खुद को आलमगीर कहता था, लेकिन वह महाराष्ट्र में पराजित हुआ और यहीं पर उसकी समाधि बनी. उन्होंने कहा कि शिवाजी को महाराष्ट्र तक सीमित मत रखिए. उनकी विरासत पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है. अब उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत दावा कर रहे हैं कि अमित शाह ने अपने भाषण में शिवाजी महाराज का अपमान किया था. इतना ही नहीं, वे राज्य के गृहमंत्री यानी देवेंद्र फडणवीस से मांग कर रहे हैं कि अमित शाह पर एफआईआर होनी चाहिए थी. दरअसल, रविवार (13 अप्रैल) को संजय राउत ने कहा, ष्आप अमित शाह का भाषण देखिए. हम छत्रपति शिवाजी महाराज बोलते हैं. ये महाशय शिवाजी–शिवाजी करते हैं. यह तो उनका अपमान है. इस अपमान के लिए उनपर एफआईआर की जानी चाहिए. इसका आदेश खुद महाराष्ट्र के गृहमंत्री को देना चाहिए. । संजय राउत ने यह भी दावा किया कि अगर कोई और नेता ऐसे शिवाजी कहता तो ये लोग एफआईआर करवा चुके होते. कहते कि शिवाजी का अपमान किया है और फिर सबको जेल में डाल देते। एकनाथ शिंदे गुट को घेरते हुए संजय राउत ने कहा, षशिंदे गुट के लोग भी वहां खुद थे. किसी को मन में यह बात नहीं खटकी. गृहमंत्री अमित शाह शिवाजी महाराज पर ज्ञान दे रहे हैं और उनको पहले नाम से बुला रहे हैं. औरंगजेब की कब्र को श्समाधिश कह कर बुला रहे हैं. यह सब क्या चल रहा है? संजय राउत ने कहा, ष्बीजेपी वालों ने तीन महीने से महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र उखाड़ने का कार्यक्रम हाथ में लिया था. कहते थे उखाड़ ही देंगे, रहने नहीं देंगे, लेकिन किया तो कुछ नहीं. हमने कहा कि यह कब्र महाराष्ट्र के मराठा योद्धा शिवाजी महाराज के युद्ध की जीती जाती मिसाल है. औरंगजेब की कब्र बताती है कि महाराष्ट्र पर हमला करने वालों की कब्र हमने यहीं खोद दी और उन्हें यहीं गाड़ दिया. लेकिन बीजेपी वाले कहां सुनने को राजी थे. शिवसेना यूबीटी सांसद ने आगे कहा, ष्ये लोग ऐसे मूड में थे कि कब्र उखाड़ कर ही रख देंगे. किया तो कुछ नहीं. जिसे हम कब्र करते हैं, उसे देश के गृहमंत्री अमित शाह ने समाधि का दर्जा दे दिया. अगर यह समाधि है तो फिर आप तीन महीने से दंगे क्यों करवा रहे थे?

बीजेपी की मानसिकता मुगलों वाली- आदित्य ठाकरे

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. यह मामला हाल ही में फिल्म छावा से शुरू हुआ था, जब कुछ संगठनों ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की थी. इस मुद्दे पर प्रदेशभर में माहौल गरमा गया. देखते ही देखते कई जगहों पर हिंसक घटनाएं भी हो गईं. वहीं बीजेपी ने कुछ दिन पहले मांग की थी कि औरंगजेब की कब्र को उखाड़कर फेंक दिया जाए. इस बयान के बाद महाराष्ट्र का राजनीतिक पारा और बड़ गया. हिंसा के चलते कई आपराधिक मामले भी दर्ज किए गए. अब इस विवाद ने एक नया मोड़ तब ले लिया है. दरअसल गृहमंत्री अमित शाह शनिवार (12 अप्रैल) को रायगढ़ किला पहुंचे थे, जहां उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन किया और फिर जनता को संबोधित किया. जब उन्होंने औरंगजेब की कब्र को ष्समाधिष कहकर संबोधित किया. इस बयान पर विपक्षी पार्टियों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. । शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि, ष्आज की बीजेपी की मानसिकता वही है जो पहले हमारे महाराष्ट्र को लूटने वाले हमलावरों की थी. औरंगजेब को समाधि देना छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान है.ष ठाकरे ने आगे कहा, ष्मुंबई, पुणे, संभाजीनगर के हालात देखिए. किसानों और महिलाओं की हालत देखिए। ऐसा लग रहा है जैसे मुगलों का राज वापस आ गया हो। शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा, ष3 महीने तक बीजेपी औरंगजेब की कब्र उखाड़ने की बात करती रही और अब उसे समाधि का दर्जा दे रही है. यह मराठा वीरों की विजयगाथा का अपमान है.ष राउत ने अमित शाह के बयान को सीधे तौर पर शिवाजी महाराज का अपमान बताते हुए कहा कि यह बयान महाराष्ट्र की अस्मिता पर हमला है. अब देखना होगा ।

बीएमसीचुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की पार्टी को झटका, इस महिला नेता ने थामा शिंदे गुट का दामन

मुंबई,(एजेंसी)। मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना यूबीटी को तगड़ा झटका लगा है. उद्धव गुट के प्रवक्ता संजना घाड़ी और उनके पति संजय घाड़ी रविवार (13 अप्रैल) को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने हो गए हैं. संजना घाडी ने शिवसेना ठाकरे गुट छोड़कर शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान किया था. संजना घड़ी ने रविवार दोपहर सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना ज्वॉइन की. संजना घाडी के साथ कई कार्यकर्ता मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर पहुंचे और पार्टी की सदस्यता ली.। कुछ दिन पहले ही उद्धव ठाकरे ने संजय को प्रवक्ता बनाया था और संजना चौनल डिबेट में उद्धव की पैरवी करते भी नजर आती थीं, संजना घाडी का ठाकरे गुट को श्जय महाराष्ट्रश कहना उद्धव ठाकरे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। संजना घाडी को मुंबई में शिवसेना ठाकरे गुट का अहम नेता माना जाता रहा है. वह पार्षद भी रह चुकी हैं. जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पहले ठाकरे गुट ने प्रवक्ताओं की सूची जारी की थी जिसमें संजना घाडी का नाम नहीं था. हालांकि लास्ट टाइम में उनका नाम इस लिस्ट में जोड़ दिया. माना जा रहा है कि इसी से नाराज होकर उन्होंने पार्टी बदलने का मन बना लिया था। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस शिवसेना ठाकरे गुट और राष्ट्रवादी शरद पवार गुट ने भले ही महायुति की झटका दिया हो लेकिन विधानसभा चुनाव में महायुति ने एमवीए को चारों खाने चित कर दिया. वहीं अब बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव गुट में सेंधमारी कर करारा झटका दे दिया है.

संपादकीय

अमेरिका की सारी नीतियां

अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही समाप्त हो जाती हैं। लेकिन जब ट्रंप जैसा अप्रत्याशित व अमेरिका फर्स्ट का जयकारा लगाने वाला राष्ट्रपति सत्तासीन हो, तो दुनिया सांसत में ही रहेगी। शपथ ग्रहण के बाद जिस तरह असहज करने वाले कार्यकारी आदेश जारी किए गए, ये उसी की आहट है। लगता है अमेरिका के लिये स्वर्णयुग लाने का दावा करने वाले ट्रंप को लोकतांत्रिक मूल्यों, दुनिया की सेहत और वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से कोई सरोकार नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली बड़ी अमेरिकी मदद से हाथ पीछे खींचकर उन्होंने अपने मंसूबे जताए हैं। विश्व को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध पेरिस जलवायु समझौते से भी किनारा कर उन्होंने अपने इरादे जाहिर किए हैं। यह जानते हुए भी कि बीता साल दुनिया में अब तक का सबसे गर्म साल रहा था। यहां तक कि इन प्रभावों से पिछले दिनों लॉस एंजिल्स की भयावह आग ने अमेरिका के दरवाजे पर पिछले दिनों दस्तक दी है। वहीं दूसरी ओर तमाम आर्थिक मुश्किलों से जूझते व बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका का रुख करने वाले प्रवासी उनके लिये दुश्मन नंबर वन हैं। जिनको रोकने के लिये अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार बनाना उनका महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। वे लाखों अवैध प्रवासियों को अमेरिका से खदेड़ने की बात बार–बार कहते हैं। वहीं अमेरिका फर्स्ट की नीति के चलते वे चीन समेत अन्य विकासशील देशों पर अंधाधुंध टैरिफ लगाकर मुनाफे का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में झुकाने पर अड़े हैं। यहां तक कि उन्होंने ब्रिक्स देशों को चेताया है कि यदि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा चलन में लाने का प्रयास किया गया तो वे भारत,रूस व चीन आदि पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। विशेष रूप से चीन उनके निशाने पर है, जो अमेरिका के नंबर एक दावे को चुनौती देने की क्षमता रखता है। दुनिया के तमाम देशों को उनके बड़बोले बयानों के मद्देनजर मुश्किल समय हेतु तैयार रहना चाहिए। दरअसल, केवल विकासशील व तीसरी दुनिया के देश ही नहीं, बल्कि ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा के बयानों को लेकर यूरोपीय देशों में ट्रंप को लेकर खासी नाराजगी नजर आ रही है। पनामा नहर का प्रबंधन हासिल करने के बयानों पर भी तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कभी वे कनाडा को अमेरिका में शामिल करने के दावे करते हैं। आते ही कनाडा पर टैरिफ बढ़ाकर उन्होंने अपने मंसूबे जाहिर किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में महामारी के प्रभावों से उबरते हुए तमाम बीमारियों से जूझते विश्व को ट्रंप ने बड़ा झटका दिया है। मानवता के कल्याण को समर्पित डब्ल्यूएचओ की आर्थिक मदद बंद करने से विकासशील व गरीब मुल्कों का स्वास्थ्य तंत्र अब भगवान भरोसे रह जाएगा। यदि विश्व में फिर किसी महामारी की दस्तक होती है तो पूरी दुनिया में स्थितियां गंभीर होंगी। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में यूं पूंजीवादी सोच व नीतियों का वर्चस्व बेहद चिंता की बात है। जिस बात की चिंता पिछले दिनों निवर्तमान राष्ट्रपाति जो बाइडेन भी जता चुके हैं। लेकिन उग्र राष्ट्रवाद के खुमार में डूबे अमेरिकी कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं। पर्दे के पीछे 'ट्रंप उदय' के पीछे दुनिया के सबसे अमीर पूंजीपतियों में शुमार एलन मस्क की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं।

राजा की वापसी, नेपाल में एक नई राजनीतिक बहस

धनंजय

नेपाल घूमने के लिए मार्च सबसे अच्छा समय है, इस दौरान मौसम हल्का रहता है और आसमान साफ घ्घरहता है, जिससे यहां का नजारा बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। हालांकि, प्रकृति शांत रहती है, लेकिन नेपाल का राजनीतिक परिदृश्य शांत नहीं है। हाल के हफ्तों में नेपाल के अंतिम राजा, राजा ज्ञानेंद्र शाह की वापसी से एक तूफान आया है, जिनका राजधानी काठमांडू में आश्चर्यजनक रूप से शानदार स्वागत किया गया। रिपोर्टों का अनुमान है कि पूर्व राजा के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त करने के लिए 10,000 से अधिक उत्साही समर्थक हवाई अड्डे पर एकत्र हुए। मार्च के अंत में भी, राजशाही समर्थक समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया जो हिंसक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप दो व्यक्तियों की दुखद मौत हो गई। इस अशांति ने एक ऐसे देश में राजशाही के बारे में बहस को फिर से हवा दे दी है जिसने 2008 में इसे समाप्त कर दिया था जब संविधान सभा ने नेपाल को संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया था, जिससे दो शताब्दियों से अधिक समय से चल रहा शाही शासन समाप्त हो गया था। उस समय, नेपालियों ने शासन की नई प्रणाली के तहत एक उज्जवल भविष्य की आशा करते हुए इस परिवर्तन को व्यापक आशावाद के साथ देखा। सशक्तिकरण और चुनौतियाँ राजशाही और गणतंत्र राजा ज्ञानेंद्र का गर्मजोशी से स्वागत और उसके बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैंरू क्या राजशाही के तहत चीजें बेहतर थीं? नेपाल में कुछ लोग दशकों पहले त्याग दी गई प्रणाली के पीछे क्यों खड़े हैं? इनका उत्तर देने के लिए, आर्थिक संकेतक कुछ अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। राजशाही के दौरान, केंद्रीकृत नियंत्रण और जवाबदेही की कमी ने शासक अभिजात वर्ग को धन इकट्ठा करने की अनुमति दी, जबकि बहुसंख्यक गरीबी में तड़प रहे थे। उदाहरण के लिए, राणा शासन (1846–1951) बेहद शोषक था। कृषि अर्थव्यवस्था के तहत, जिसमें 80: से अधिक आबादी कार्यरत थी, राणा शासकों ने बिरता प्रणाली को लागू किया,

अपने परिवारों और सहयोगियों को कर–मुक्त भूमि प्रदान की। इसने अधिकांश किसानों को किरायेदार या बटाईदार के रूप में छोड़ दिया, जिनके पास बहुत कम आर्थिक एजेंसी थी। राणा शासकों ने नेपाल के विकास पर भी शायद ही ध्यान दिया और इसे खराब सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे के साथ छोड़ दिया। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगेश को श्रद्धांजलि इसके बाद शाह राजवंश ने थोड़ा सुधार किया, लेकिन नेपाल की आर्थिक स्थिति स्थिर रही। 1990 में, राजा बीरेंद्र की संवैधानिक राजशाही के तहत, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद मात्र 200 डॉलर था, जिसने नेपाल को कम आय वाले देश के रूप में वर्गीकृत किया। राजशाही शासन के अंतिम वर्ष 2008 तक, यह बढ़कर 450 डॉलर से थोड़ा अधिक हो गया था – लगभग दो दशकों में मुश्किल से दोगुना और अभी भी सार्थक प्रगति से कम है। इसके विपरीत, राजशाही के बाद के युग में महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति देखी गई है। 2023 तक, नेपाल की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 1,324 डॉलर तक पहुँच गई, जो 4.95: की औसत वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। केवल डेढ़ दशक में, आय लगभग तीन गुना हो गई है, जो अंतर्राष्ट्रीय निवेश और आर्थिक विविधीकरण में वृद्धि से बढ़ी है। नेपाल के मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में भी सुधार हुआ है, जो 2010 में 0.491 से बढ़कर 2021 में 0.602 हो गया है। भारत के बारे में बयानबाजी, नेपाल के कुछ राजनेताओं की एक जानी–पहचानी रणनीति है, जो वास्तविक मुद्दों – बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अस्थिरता – को दबा देती है, जिन पर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है हालांकि, सभी संकेतक एक गुलाबी तस्वीर नहीं दिखाते हैं। संवैधानिक राजतंत्र के दौरान गरीबी में कमी एक उल्लेखनीय बिंदु थी (1995–96 में 42: से घटकर 2003–04 में 25.2: हो गई, जो कि 2.1: की वार्षिक गिरावट है), 2008 के बाद से काफी धीमी हो गई है। 2010–11 और 2024 के बीच, गरीबी 21.6: से घटकर 20.27: हो गई, जो कि मात्र 0.1: वार्षिक कमी है। इसमें, हमें नेपाल के दो काफी कठिन चरणों – बड़े पैमाने पर भूकंप (2015) और कोविड से संबंधित आर्थिक मंदी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। गणतंत्र के दौर में आय वितरण अधिक न्यायसंगत हो गया है, लेकिन गरीबी उन्मूलन में यह ठहराव एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

लंदन लीसेस्टर स्क्वायर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को श्रद्धांजलि

जब आदित्य चोपड़ा ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के लिए टैगलाइन, "आओ... प्यार में पड़ो" का सपना देखा, तो क्या उन्हें पता था कि दर्शक ऐसा ही करेंगे? फिल्म के चिरस्थायी आकर्षण के लिए नवीनतम श्रद्धांजलि लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में प्रदर्शित होने वाली है, जहाँ प्रतिष्ठित प्रेमियों की कांस्य प्रतिमाएँ राहगीरों को फिल्म में शहर की भूमिका की याद दिलाएँगी। फिल्म की स्थायी अपील शायद इसकी व्यावहारिकता में है – एक अनावश्यक ट्रेन–चेज के बावजूद। दो प्रेमी नाटकीय निर्णय नहीं लेते हैं या अपने प्यार का त्याग करने या अपने जीवन को समाप्त करने की कोशिश नहीं करते हैं। फिल्म व्यावहारिकता के साथ भव्य इशारों को संतुलित करती है। सर – 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में महिला एथलीटों की प्रत्याशित बहुमत वैश्विक खेल के विकास में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित करती है। 1900 में प्रतीकात्मक भागीदारी से लेकर समानता प्राप्त करने और अब पुरुष प्रतिनिधित्व को पार करने तक, यह यात्रा दशकों के लचीलेपन, नीति सुधार और सार्वजनिक समर्थन को दर्शाती है। यह बदलाव केवल प्रतीकात्मक नहीं हैय यह पीढ़ियों से महिला एथलीटों की निरंतर उत्कृष्टता को स्वीकार करता है। ओलंपिक आखिरकार समानता और योग्यता के मूल्यों को प्रतिबिंबित कर रहे हैं, यह पहचानते हुए कि प्रतिभा लिंग से परे है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित प्रगति है, जिसे अग्रदूतों द्वारा आकार दिया गया है और महिलाओं के खेल के लिए बढ़ती सार्वजनिक प्रशंसा द्वारा बनाए रखा गया है। सर – लॉस एंजिल्स ओलंपिक में महिला एथलीटों की संख्या उनके पुरुष समकक्षों से अधिक होने की प्रगति दशकों के दृढ़ संकल्प और प्रणालीगत परिवर्तन का परिणाम है। कुछ श्रेय चीन और पूर्व सोवियत ब्लॉक जैसे देशों को दिया जाना चाहिए, जहां महिला एथलीटों को शुरू से ही समान प्रशिक्षण सहायता मिली। भारत ने भी ऐसे चौंपियन बनाए हैं जिनकी उपलब्धियों ने नई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। सर – इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रभावशाली संस्कृति के उदय ने मार्केटिंग और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है। विशिष्ट उपभोग अब प्रामाणिकता के आवरण में रोजमर्रा की जिंदगी में घुस गया है। अनुनय का यह सूक्ष्म रूप असंतोष के एक चक्र को बढ़ावा देता है, जहां आत्म–मूल्य को आवश्यकताओं के रूप में प्रचारित उत्पादों द्वारा मापा जाता है। जैसे–जैसे आकांक्षा एल्गोरिदमिक होती जाती है, ऑनलाइन जीवनशैली का अनुकरण करने का दबाव न केवल अति उपभोग को बढ़ाता है, बल्कि कर्ज और मोहभंग को भी जन्म देता है। यह सवाल करने का समय है कि क्या क्यूरेटेड डिजिटल पहचान मनोवैज्ञानिक और वित्तीय रूप से उस नुकसान के लायक है, जिसकी वे अक्सर मांग करते हैं। सर – जबकि प्रभावशाली अर्थव्यवस्था ने आकांक्षा को लोकतांत्रिक बनाया है, इसने पहचान को भी वस्तु बना दिया है। सोशल मीडिया की प्रदर्शनकारी प्रकृति उपयोगकर्ताओं को दृश्यता को मूल्य के बराबर करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे अस्थिर उपभोग होता है। फिर भी, प्रभावहीन रुझानों के उभरने और प्रामाणिकता और सोच–समझकर खर्च करने के बारे में बढ़ती जागरूकता में आशा है। यदि प्लेटफॉर्म और ब्रांड पारदर्शिता को अपनाते हैं और अधिक जिम्मेदार प्रथाओं के साथ जुड़ते हैं, तो वे एक स्वस्थ डिजिटल संस्कृति की शुरुआत कर सकते हैं। यह धारणा कि रॉयल्टी राज्य द्वारा वित्त पोषित पेंशन के योग्य पूर्णकालिक नौकरी है, बल्कि कमजोर है। हालांकि औपचारिक कर्तव्यों के लिए समय और शिष्टाचार की आवश्यकता होती है, लेकिन वे आम सिविल सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली जिम्मेदारियों के बराबर नहीं हैं। यदि बेल्जियम के राजकुमार लॉरेंट की भूमिका वास्तव में एक ष्सुपर पब्लिक सर्वेंटष के समान है, तो इसे जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए। वंशानुगत विशेषाधिकार सार्वजनिक खजाने से आजीवन वित्तीय सहायता का आधार नहीं होना चाहिए। बढ़ती वित्तीय जागरूकता के युग में, यह सवाल उठाने का समय आ गया है कि क्या औपचारिक भव्यता को भौतिक पुरस्कारों की मांग जारी रखनी चाहिए।

..... विविध .....

रात को लगाएं नीम फेस पैक, पाएं बेदाग और निखरी त्वचा

अगर आप बार–बार एक्ने, पिंपल और डार्क स्पॉट्स से परेशान हैं, तो इस घरेलू उपाय को जरूर आजमाएं। महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में घर पर बना नीम फेस पैक आपकी त्वचा को गहराई से साफ करके

उसे निखारने में मदद कर सकता है।

एक्ने और पिंपल की समस्या क्यों होती है?

आजकल की खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी डाइट और प्रदूषण के कारण त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे एक्ने, पिंपल और दाग–धब्बे आम हो गए हैं। लेकिन इन समस्याओं को दूर करने के लिए नीम का फेस पैक बेहद असरदार है। नीम में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो त्वचा को साफ करके एक्ने को ठीक करने में मदद करते हैं। नीम फेस पैक बनाने के लिए सामग्री

नीम पाउडर – 1 चम्मच (घर पर नीम की पत्तियों को सुखाकर पीस सकते हैं)

दही – 2 चम्मच

मुल्तानी मिट्टी – 1 चम्मच

कॉफी पाउडर – 1/2 चम्मच

गुलाब जल – आवश्यकता अनुसार

नीम फेस पैक बनाने का तरीका

एक साफ कटोरी में 1 चम्मच नीम पाउडर डालें।

ये भी पढ़ेंरू ये विटामिन होगा कम तो किसी शेंपू–तेल का नहीं होगा असर, झड़ते–टूटते रहेंगे बाल !

इसमें 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1/2 चम्मच कॉफी पाउडर और 2 चम्मच दही डालें। अगर मिश्रण गाढ़ा लगे, तो उसमें अपनी जरूरत अनुसार गुलाब जल डालें। इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह मिलाएं, ताकि एक स्मूथ पेस्ट तैयार हो जाए।

कैसे लगाएं नीम फेस पैक?

तैयार पेस्ट को साफ चेहरे पर समान रूप से लगाएं। इसे 10–15 मिनट तक सूखने दें। सूखने के बाद चेहरे को नॉर्मल टेम्परेचर वाले पानी से धो लें।

हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करें, जल्द ही आपको फर्क दिखने लगेगा।

नीम फेस पैक के फायदे

1. त्वचा से अतिरिक्त तेल को हटाकर पिंपल्स की समस्या को कम करता है।

2. एक्ने के दाग–धब्बों को हल्का करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है।

3. त्वचा को गहराई से साफ करता है और डेड स्किन हटाने में मदद करता है।

4. नीम के एंटीबैक्टीरियल गुण इंफेक्शन को रोकते हैं।

5. मुल्तानी मिट्टी और दही त्वचा को ठंडक देते हैं और नमी बनाए रखते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

नीम फेस पैक लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। बहुत ज्यादा सूखी त्वचा वाले लोग इसमें थोड़ा सा शहद मिला सकते हैं। नियमित उपयोग से ही असर दिखेगा, इसलिए धैर्य रखें। तो, अब नीम फेस पैक को अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल करें और पाएं बेदाग और निखरी त्वचा।

गर्मियों में ये फल करेंगे चमत्कार, जोड़ों का दर्द होगा छूमंतर

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर में कई बदलाव होने लगते हैं। इस मौसम में यदि आप सही खानपान पर ध्यान न दें तो यूरिक एसिड का लेवल तेजी से बढ़ सकता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने से जोड़ों में दर्द, सूजन और गाउट जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जोकि काफी तकलीफदेह होती हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू उपाय और सही फल खाने से आप इस समस्या को काबू में रख सकते हैं। खासकर गर्मियों में कुछ ऐसे ताजे फल बाजार में मिलते हैं जो शरीर से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करते हैं और इसे हेल्दी लेवल पर बनाए रखते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ असरदार फलों के बारे में जो यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

चेरी (सूजन और यूरिक एसिड का दुश्मन फल)

चेरी को यूरिक एसिड कंट्रोल करने के लिए सबसे बेहतरीन फल माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और एंथोसायनिन्स शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं और यूरिक एसिड को संतुलित बनाए रखते हैं। अगर आप रोजाना कुछ चेरी खाते हैं तो इससे जोड़ों का दर्द कम हो सकता है और गाउट जैसी समस्या से भी राहत मिल सकती है।

नींबू (नेचुरल डिटॉक्स करने वाला फल)

नींबू का रस शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करता है और यूरिक एसिड को नेचुरल रूप से कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से शरीर की सफाई होती है और यूरिक एसिड धीरे–धीरे कम होने लगता है। यह एक बेहद आसान और असरदार उपाय है जो आप रोजाना कर सकते हैं।

सेब (हर दिन एक सेब, यूरिक एसिड से रहो दूर)

सेब में मालिक एसिड (डंसपब ।बपक) पाया जाता है जो यूरिक एसिड को कम करने में सहायक होता है। सेब शरीर को डिटॉक्स करता है और हड्डियों व जोड़ों को मजबूत बनाता है। रोजाना एक सेब खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और आप एक्टिव रहते हैं।

तरबूज (गर्मियों की ठंडक और डिटॉक्स का फल)

गर्मियों में तरबूज खाना न केवल ताजगी देता है, बल्कि यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है। तरबूज में पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो शरीर में जमा यूरिक एसिड को यूरिन के माध्यम से बाहर निकाल देता है। अगर आप हाई यूरिक एसिड से परेशान हैं तो गर्मियों में तरबूज को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

पपीता (विटामिन सी से भरपूर और फायदेमंद फल)

पपीता एक ऐसा फल है जो विटामिन C से भरपूर होता है। यह शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करता है और शरीर को अंदर से साफ करता है। इसके साथ ही यह पाचन तंत्र को भी दुरुस्त करता है। रोजाना पपीता खाने से आपको यूरिक एसिड की समस्या से काफी राहत मिल सकती है। गर्मियों के मौसम में अगर आप इन फलों को अपने रोजमर्रा के खानपान में शामिल करते हैं, तो ना केवल आप हाई यूरिक एसिड से बच सकते हैं, बल्कि आपका शरीर भी ताजगी से भरपूर और ऊर्जा से लैस रहेगा। याद रखें, स्वस्थ जीवनशैली और सही खान–पान ही किसी भी बीमारी से लड़ने का पहला कदम होता है। इसलिए इन आसान उपायों को अपनाएं और गर्मियों में खुद को हेल्दी बनाए रखें।

बैसाखी के दिन घर पर बनाए कड़ा प्रसाद, फॉलो करें यह आसान सी रेसिपी

बैसाखी, पंजाब और उत्तर भारत का एक खास त्यौहार है जो नई फसल के स्वागत और खुशहाली की दुआओं के साथ मनाया जाता है। यह दिन ना सिर्फ खेतों की हरियाली का जश्न होता है, बल्कि गुरुद्वारों में 'कढ़ा प्रसाद' की महक भी इस दिन को खास बना देती है। कड़ा प्रसाद का स्वाद जितना लाजवाब होता है उतनी ही खास इसके पीछे की भावना भी होती है। यह प्रसाद समानता, सेवा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। अगर आप इस बैसाखी पर गुरुद्वारे नहीं जा पा रहे तो कोई बात नहीं दृ आप घर पर भी वही सच्ची श्रद्धा से बना कड़ा प्रसाद तैयार कर सकते हैं।

कड़ा प्रसाद बनाने की सामग्रीरू

गेहूं का आटा – 1 कप

देसी घी – 1 कप

चीनी – 1 कप

पानी – 2 कप

बनाने की विधि–

1. एक पतीले में 2 कप पानी और 1 कप चीनी डालें। गैस पर रखकर मध्यम आंच पर गर्म करें। जब तक चीनी पूरी तरह घुल न जाए, तब तक चलाते रहें। एक बार शरबत बन जाए, गैस बंद कर दें और इसे अलग रख दें।

2. अब एक भारी तले वाली कढ़ाई लें और उसमें 1 कप देसी घी डालें। जब घी गरम हो जाए, तब उसमें 1 कप गेहूं का आटा डालें। अब धीमी आंच पर इसे लगातार चलाते हुए सुनहरा होने तक भूनें। इसमें से खुशबू आने लगेगी और रंग हल्का भूरा हो जाएगा।

3. अब धीरे–धीरे तैयार किया गया गरम शरबत इसमें डालें (ध्यान रखें कि छींटें न पड़ें)। इसे अच्छे से मिलाएं और लगातार चलाते रहें ताकि गुठलियां न बनें।

4. अब इस मिश्रण को मध्यम आंच पर 5–7 मिनट तक पकाएं। जब यह घी छोड़ने लगे और हलवा जैसा बन जाए, तो समझ लीजिए कड़ा प्रसाद तैयार है।

आंबेडकर प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को रातोंरात एक और गांव में आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए चबूतरे का निर्माण करा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। लोगों से बात करके जानकारी ली। तनाव की स्थिति न पैदा हो, इसके लिए पुलिस तैनात है। इससे पहले बख्शी का तालाब क्षेत्र के मवई खंतारी गांव में प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इसे हटाने को लेकर शनिवार को बवाल हो गया था। इसमें ग्रामीणों की पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। यहां रविवार को भी मामला गर्म रहा। पुलिस और पीएसी बल तैनात है। ताजा मामला महिंगवा क्षेत्र के शिवपुरी गांव का है। खंतारी गांव में हुए बवाल के बाद रातोंरात यहां आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए चबूतरे का निर्माण कर दिया गया। जानकारी मिली तो मामले की गंभीरता और हंगामे की आशंका को देखते हुए अधिकारियों ने मौके पर पुलिस बल भेजा। उधर, खंतारी गांव में रविवार को भी पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा। अग्निकांड को लेकर दमकल कर्मी भी मुस्तैद रहे। प्रतिमा को चारों ओर से ट्री गार्ड से ढक दिया गया है।

मासूम समेत परिवार के पांच लोगों की टूट गई सांसें खाटूश्याम के दर्शन को जा रहे थे

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के एक ही परिवार के पांच लोगों की राजस्थान में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा जयपुर जिले के जमवारामगढ़ क्षेत्र में मनोहरपुर–दौसा नेशनल हाईवे स्थित नेकावाला टोल प्लाजा के पास हुआ। कार सवार लोग खाटू श्यामजी के दर्शन को जा रहे थे। टोल प्लाजा के पास उनकी कार और ट्रेलर में आमने–सामने की भिड़ंत हो गई। घटना सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। कार के परखच्चे उड़ गए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इससे सभी लोग उसमें बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। दोनों वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मरने वालों में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक साल का एक मासूम शामिल है।

एक झटके में तीन पीढ़ियां चढ़ गईं हादसे की भेंट

मृतकों की पहचान ठाकुरगंज के मुशाहिदगंज के रहने वाले सत्य प्रकाश, उनकी पत्नी रमा देवी, बेटा अभिषेक सिंह, बहू प्रियांशी सिंह और छह माह की पोती श्री के रूप में हुई है। घर में अब सत्य प्रकाश का दूसरा बेटा और उसका परिवार ही रह गया। सभी का रो–रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

बाबा साहब के द्वारा संविधान निर्माण में दिये योगदान ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है – गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । जनपद में भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ धूमधाम से मनायी गयी। इस मौके पर राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव, एमएलसी बृजेश सिंह पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र सहित अन्य के द्वारा अम्बेडकर तिराहे पर स्थित अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर अम्बेडकर पार्क में आयोजित गोष्ठी में बाबा साहब के जीवन दर्शन, उनके नैतिक मूल्यों, आदर्शो, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम तथा संविधान में उनके अतुलनीय योगदानों को याद करते हुए उन्हे नमन किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने भारतीय संविधान के रचयिता बाबा साहब की जंयती के अवसर पर नमन करते हुए कहा कि निश्चित रूप से बाबा साहब के द्वारा संविधान निर्माण में दिये योगदान

ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा है। उन्होने सामाजिक समरसता के क्षेत्र में जो कार्य किया उसी के फलस्वरूप देश में आये परिवर्तन ने हमें अपने कर्तव्यों तथा गणतंत्र होने का बोध कराया। मौलिक अधिकार भी इसी संविधान के तहत मिला है। आज पूरे देश में बाबा साहब की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी जा रही है। सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने सामाजिक समरसता के लिए, शिक्षा के लिए, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में, जो कार्य किया है वह निश्चित ही अनुकरणीय है। बाबा साहब का विधि के क्षेत्र में, संविधान निर्माता के रूप में योगदान अतुलनीय है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नही होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब की जयंती के अवसर पर जनपद में 15 दिन तक विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जो कि आज से प्रारम्भ हो रहा है। जिसके अन्तर्गत ग्राम पंचायतों, नगर निकायों सहित सभी जगहों पर बाबा साहब की जयंती मनायी गई। उन्होने सभी से अपील किया कि कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें। बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की जंयती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर से अम्बेडकर तिराहे तक मा0 जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारीगणों की उपस्थिति में माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गयी। रैली में भारत माता के जयकारे, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर अमर रहे,हमारा संविधान अमर रहे आदि के नारे लगाये गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व अजय अम्बष्ट, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, बेसिक शिक्षाधिकारी डा0गोरखनाथ पटेल, सहित अन्य उपस्थित रहे।

सरकार हर स्तर पर तैयार विरोध से दबाव में नहीं आएंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण की प्रक्रिया के बीच शनिवार को लखनऊ के होटल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न पहलुओं पर मंथन हुआ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने दो टूक कहा कि प्रदेश में बिजली सुधार जरूरी है। सरकार इसके लिए हर स्तर पर तैयार है। बिना रुके, बिना थके सुधार की दिशा में आगे बढ़ना होगा। किसी के विरोध के कारण दबाव में नहीं आना है। विकसित भारत और विकास की बात विद्युत क्षेत्र में सुधार (रिफॉर्म्स) किए बिना संभव नहीं है। प्रदेश में पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण को लेकर अक्तूबर माह से प्रक्रिया चल रही है। ऊर्जा संगठन विरोध कर रहे हैं तो पॉवर कॉर्पोरेशन निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी के तहत शनिवार को गोमतीनगर स्थित होटल में सेमिनार का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रदेशों में विद्युत वितरण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने तकनीकी, वित्तीय और व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी दी। कर्मचारियों के हितों की रक्षा से लेकर वित्तीय प्रबंधन और उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर बिजली देने के लिए अपनाई जाने वाली विधियों पर राय रखी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने के लिए हमें कठिन और संवेदनशील फैसले लेने होंगे। ग्रामीण इलाके को भरपूर बिजली देने के लिए निजी क्षेत्र को वितरण में भागीदार बनाना जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना के लिए दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल डिस्कॉम का सुधार और निजी क्षेत्र की सहभागिता के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें उपभोक्ता, उद्योगों और कार्मिकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। दिल्ली, उड़ीसा, चंडीगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में निजीकरण किया गया है

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के सुधार के वक्त विरोध होता है, लेकिन हमें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना है। ग्रेटर नोएडा का उदाहरण देते हुए ।

लखनऊ में जय भीम पदयात्रा का आयोजन, उच्च शिक्षा मंत्री ने दिखाई हरी झंडी युवाओं को किया प्रेरित

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को श्जय भीम पदयात्राश का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर किया। यात्रा मरीन ड्राइव चौराहे से शुरू होकर अंबेडकर स्मृति स्थल पर संपन्न हुई। डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती से एक दिन पूर्व आयोजित इस यात्रा में सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और संविधान के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत उच्च शिक्षा मंत्री ने सामाजिक परिवर्तन प्रतीक स्थल पर डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके मौन श्रद्धांजलि के साथ की। इसके बाद युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। साथ ही डॉ अंबेडकर के विचारों को उपस्थित जनसमूह के समक्ष रखा।

महान समाज सुधारक, चिंतक और न्यायप्रिय नेता थे अंबेडकर

अपने संबोधन में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर न केवल भारत के संविधान निर्माता थे, बल्कि वे एक महान समाज सुधारक, चिंतक और न्यायप्रिय नेता भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष किया। शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख साधन माना। उन्होंने शशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोश का जो संदेश दिया था, वही आज के युवाओं के लिए सबसे बड़ा पथ प्रदर्शक है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि प्रकृति में आरंभ से ही सामाजिक समरसता और समता का भाव रहा है। डॉ अंबेडकर ने इस विचार को संविधान में मूलभूत अधिकारों और कर्तव्यों के माध्यम से सशक्त किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए समावेशी समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। भारत एक है और हमें समतामयी, ममतामयी समाज की स्थापना करनी है।

बाबा साहब के विचारों को घर–घर तक पहुंचाया जा रहा

मंत्री उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में श्जय भीम पदयात्राश जैसे आयोजनों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को घर–घर तक पहुंचाया जा रहा है। यह पदयात्रा केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक जन–जागरण अभियान है, जो युवाओं को सामाजिक समता, बंधुत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रेरित करती है। यह राज्य स्तरीय पदयात्रा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की संस्था डल्ठींतंज (माय भारत) के तत्वावधान में नेहरू युवा केंद्र संगठन और राष्ट्रीय सेवा योजना (छैं) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। मार्ग में युवाओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए संविधान और सामाजिक न्याय के संदेश को जनमानस तक पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

दस फीट जमीन बनी दोहरे हत्याकांड का कारण

सुलतानपुर। जानकारी के मुताविक बीते रविवार की रात लगभग 8:30 बजे सत्य प्रकाश जब अपने घर जा रहे थे तभी नहर के पास बाईं ओर ओवर टेककर के उनके छोटे भाई अजय यादव ने अवैध पिस्टल से एक के बाद एक पांच गोली उन पर दाग दिया। उसे तड़पता छोड़कर अजय सीधा घर पर पहुंचा और सत्य प्रकाश के घर पर एक फायर झोका। डर सहम कर परिवार ने गेट बंद कर लिया। उसी समय घर के बाहर छप्पर में बैठे हुए अजय के पिता उसे समझाने के लिए उठकर आए। तो उसने बूढ़े पिता को भी अवैध पिस्टल से तीन गोलियां मार दी। परिवार में दो मौतों से कोहराम मच गया। सोमवार दोपहर बाद शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि, अयोध्या समेत आधा दर्जन पुलिस की टीमें खुलासे में लगी हुई है।अबतक दस लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेटी की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि वर्ष 2016 में सत्य प्रकाश जूडा पट्टी ग्राम सभा से प्रधान चुने गए थे। अपने व्यक्तित्व के बल बूते उन्होने कम समय में ही क्षेत्र में अपना दब दबा बना लिया। नतीजा ये रहा कि इसके बाद हुए चुनाव में उनकी सीट एससी हो गई लेकिन उन्होने अपने बल बूते रामजी को चुनाव जितवा दिया। जूड़ा पट्टी ग्राम सभा में कम समय में सत्य प्रकाश की बढ़ती राजनैतिक प्रतिष्ठा उनके विरोधियों के साथ क्षेत्र के बड़े राजनैतिक लोगों में अखरने लगी। ऐसे में उन्हें किनारे लगाने के लिए राजनैतिक घराने के लोगों ने बाहरी नहीं घर में ही उसके हत्यारे को तैयार किया। हत्यारोपी अजय यादव सोनीपत में रहकर बेकरी का काम करता था। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व वो गांव लौटा फिर वापस नहीं गया। इस बीच उसके भाई सत्य प्रकाश ने हाइवे पर दस फिट की जमीन पत्नी सुमित्रा देवी के नाम खरीदा, सुमित्रा सफाई कर्मी के पद पर तैनात है। जमीन की कीमत 15 से 20 लाख है। बताया जा रहा है कि इसी के बगल में ही दस फिट का एक टुकड़ा और था जिसे अजय खरीदना चाहता था। उसने भाई से कहा भी लेकिन सत्य प्रकाश ने अजय को नही दिया।

सत्य प्रकाश के पास पैतृक 13 बीघे जमीन है। उसने स्वयं एक बीघा अलग से जमीन बनाया जो मां और पिता के नाम है। मृतक सत्य प्रकाश के दो पुत्र रितेश (20) और कृष्णा (16) के अलावा एक बेटी सृष्टि (18) है। वहीं आरोपी अजय की पत्नी सुनीता के अलावा दो बच्चे हैं।

भाषण प्रतियोगिता में पुनर्वास विवि का नेतृत्व करेंगी कंचन गौतम

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर राजभवन में होने वाली भाषण प्रतियोगिता में राजधानी समेत प्रदेश भर से 12 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। अंतर विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता के परिणाम में चयनितों की सूची जारी की गई। इसमें डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कंचन गौतम का भी नाम है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों में हुई भाषण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय आए विद्यार्थियों को राजभवन में प्रस्तावित प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया गया है। पुनर्वास विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने बताया कि कंचन गौतम को प्रथम और सहगल बाबू को द्वितीय स्थान मिला।

लविवि ने 17 छात्रों को थमाया नोटिस

लखनऊ, (संवाददाता)। छात्रों के दो गुटों में मारपीट के मामले पर लविवि प्रशासन ने 17 छात्रों को नोटिस थमाया है। इससे पहले पुलिस की ओर से इन पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसकी कॉपी मिलने के बाद मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी की ओर से यह कार्रवाई की गई है। मुख्य कुलानुशासक के अनुसार इन सभी छात्रों से दो कार्य दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। मिलने वाले जवाब की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में 14 मौतों के बाद जल्द थमेगी मौसम की उथल-पुथल

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार देर रात से शनिवार सुबह के बीच प्रदेश के कई जिलों में आंधी–बारिश ने कहर बरपाया। इस बीच हुए हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई। शनिवार को भी लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, बलरामपुर सहित कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबादी हुई। रविवार से मौसम साफ रहने और सोमवार से पारा चढ़ने के आसार हैं। शुक्रवार देर रात प्रदेश के पश्चिम से लेकर पूर्वी– तराई इलाकों में गरज–चमक और तेज हवाओं संग बारिश हुई। कानपुर व आसपास आंधी में पेड़ और दीवार गिरने से मलबे में दबकर छह लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन लोगों की मौत हरदोई में जबकि एक–एक व्यक्ति की मौत कन्नौज, फर्रुखाबाद और कानपुर में हुई है। देवबंद में एक कच्चे मकान की छत ढह गई। मलबे में दबकर एक किशोर की मौत हो गई। बदायूं में शुक्रवार देर रात तेज आंधी व बारिश में पेड़ गिरने से युवक की मौत हो गई। फिरोजाबाद में भी आंधी ने शुक्रवार रात खूब तबाही मचाई। कई जगह पेड़, दीवार और बिजली के खंभे गिरे। इनके नीचे दबकर अलग–अलग जगह महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई।

शिकोहाबाद–फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक बाधित

कासगंज में गिरे पेड़ के नीचे दबने से एक चौकीदार की मौत हो गई। वहीं, एक परिवार के बाइक सवार पांच सदस्य घायल हो गए। वहीं, शनिवार को महराजगांज में बिजली गिरने से वृद्धा की मौत हो गई। मैनपुरी में आंधी की वजह से रेलवे ट्रैक पर पेड़ टूट कर गिरने से पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित हो गईं। शिकोहाबाद–फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक भी बाधित हो गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से पूर्वी–तराई के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश में मौसम के साफ रहने की उम्मीद है। सोमवार से तापमान में बढ़ोतरी होगी।

फसलों को नुकसान

आंधी–बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि से किसान परेशान दिखे। शाहजहांपुर में शुक्रवार देर रात आई आंधी और पानी से गेहूं, मक्का और आम की फसल को नुकसान हुआ है। खुदागंज में तेज हवाओं के कारण आग लग गई और करीब डेढ़ सौ बीघा गेहूं की फसल राख हो गई। खलिहान में पड़ा गेहूं और भूसा भीगने से खराब हो गया।

पेट्रोल और पेंट में मिलावट के धंधेबाज गिरफ्तार, थिनर के नाम पर बेचते थे मिथाइल अल्कोहल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एसटीएफ ने पेट्रोल व पेंट में मिलावट करने वालों को मिथाइल अल्कोहल युक्त पदार्थ की आपूर्ति करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पकड़ में आए गैंग के दो गुर्गों के कब्जे से एक टैंकर बरामद किया गया है। टैंकर में 40 हजार लीटर जहरीला पदार्थ मिला है। इसकी कीमत 15 लाख रुपये बताई जा रही है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद श्रीवास्तव के मुताबिक तस्करी के आरोप में पंजाब के गुरुदासपुर स्थित जिगरयाल निवासी अगरेज सिंह ओर राजाजीपुरम की सपना कॉलोनी निवासी गौरव गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य आरोपी प्रतापगढ़ के गिजलीपुर वनगबरा निवासी आनंद सिंह की तलाश की जा रही है। टैंकर चालक अगरेज सिंह ने बताया कि वह कर्नाटक के मलूर कोलार से माल लेकर राजाजीपुरम में रहने वाले गौरव गुप्ता के पास पहुंचाने निकला था। गौरव गुप्ता से संपर्क करने पर पता चला कि वह इलेक्ट्रॉनिक दुकान चलाता है।

प्रयोगशाला में हुई मिथाइल अल्कोहल की पुष्टि

एसटीएफ के अनुसार, सूचना मिली थी कि अवैध अल्कोहल से लदा टैंकर कर्नाटक से लखनऊ आने वाला है। इसके बाद संजीवनी अस्पताल रोड से आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों ने मिक्स सॉल्वेंट का पेपर दिखाया। आबकारी निरीक्षक के सहयोग से टैंकर को खोलकर चेक किया गया तो मिक्स सॉल्वेंट से भिन्न तीक्ष्ण अल्कोहल मिला। नमूना लेकर क्षेत्रीय आबकारी प्रयोगशाला भेजा। जांच में मिथाइल अल्कोहल की पुष्टि हुई। आरोपियों के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में केस दर्ज किया गया है।

जीवन में तनाव स्वाभाविक, शांत रखें मन

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज में रायबरेली रोड पर स्थित राधास्वामी व्यास सत्संग स्थल पर दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन शनिवार को बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। राधास्वामी व्यास सत्संग के आध्यात्मिक प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह जी ढिल्लो ने भक्तों के मन की बात सुनी और समाधान भी सुझाया। महिला श्रद्धालु ने प्रश्न किया कि हर छोटी–बड़ी बात को लेकर तनाव हो जाता है, इसका क्या समाधान है। इस पर बाबा ने कहा, जीवन है तो तनाव भी स्वाभाविक है। लिहाजा तनाव न लें और मन को शांत रखें। साथ ही समस्याओं पर समय खराब करने के बजाय उसके समाधान के रास्ते तलाशें। अन्य श्रद्धालु ने पूछा, मनुष्य जीवन में क्या करे कि उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाएं। इस पर बाबा ने कहा, इंसान के पास कई घर और कई गाड़ियां होने के बावजूद वह एक ही घर में रहता है और एक ही गाड़ी से चलता है। लिहाजा अच्छे कर्म करने के साथ समाज में लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। कभी ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिससे दूसरे को तकलीफ हो। अगर कोई आपसे विवाद करता है तो नजरअंदाज कर दें। यही बात आपको दूसरे से अलग व बेहतर बनाती है। एक घंटे तक सवाल–जवाब के बाद लंगर का वितरण किया गया। रविवार के सत्संग के लिए देर शाम तक लोग पहुंचते रहे। सेवादार ने बताया कि नौ बजे बाबा गुरिंदर सिंह जी ढिल्लो राधास्वामी सत्संग स्थल पर करीब दो घंटे तक सत्संग करेंगे। मुख्य गेट से पंडाल करीब एक किमी दूर था। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज व कानपुर समेत प्रदेशों के अन्य जिलों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे। तीन चरणों की तलाशी के बाद उन्हें सत्संग पंडाल में प्रवेश दिया गया। इस दौरान मोबाइल फोन भी जमा करा दिए गए। भीड़ के चलते सेवादारों को मोहनलालगंज कस्बे से तेलीबाग तक ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगाया गया था। उनके साथ पुलिसकर्मी भी थे। आयोजन में पार्किंग से लेकर साफ–सफाई और मेडिकल टीम के साथ डॉक्टर की तैनाती भी की गई है। करीब आधा दर्जन एंबुलेंस भी लगाई गई हैं। बाबा गुरिंदर सिंह जी ढिल्लो ने शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। सीएम योगी ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट किया।

रेडियोलॉजी जांच रिपोर्ट के लिए करना पड़ रहा इंतजार

लखनऊ। चक गजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में डॉक्टरों की कमी की वजह से मरीजों को रेडियोलॉजी संबंधी जांच की रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। इससे इलाज प्रभावित हो रहा है। संस्थान में इस समय पीजीआई के रेडियोलॉजिस्ट एमआरआई की जांच रिपोर्ट तैयार करते हैं। पीजीआई पर पहले से ही मरीजों का काफी दबाव है। इस वजह से कैंसर संस्थान की जांच रिपोर्ट प्रभावित होती है। कैंसर संस्थान में अभी तक नियमित रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं हो सकी है। इस वजह से मरीजों को जांच रिपोर्ट मिलने में समय लगता है। इसके कारण काफी मरीजों को निजी केंद्र में जांच करानी पड़ रही है। कैंसर संस्थान में 96 डॉक्टरों की भर्ती का विज्ञापन निकाला जा चुका है। इसकी आवेदन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन भर्ती अब तक नहीं हुई है। इस वजह से यहां रेडियोलॉजी के साथ ही कई अन्य विभागों में भी जांच का संकट बना हुआ है। वहीं, संस्थान प्रशासन का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया जारी है। जल्द ही नए डॉक्टरों की तैनाती हो जाएगी। जांच रिपोर्ट में कुछ समय लग रहा है, लेकिन ज्यादा संकट नहीं है।

भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने गोंडा के प्रभार क्षेत्र में घर-घर जनसंपर्क किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। घर घर जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत साहिबगंज बूथ नंबर 74,75 में भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने गोंडा के प्रभार क्षेत्र में घर–घर जनसंपर्क किया गया और सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया जिसमें अनूप जायसवाल , जुगनू जायसवाल, सेक्टर संयोजक भाजपा अमित वर्मा, बसंत लाल ,उमेश श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार ,दानिश ,देवेंद्र ,अशोक, टिंकू , एवं दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मोदी, योगी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए पूरे क्षेत्र में जाकर भाजपा की नीतियों एवं कार्यक्रमों का बखान किया इस अवसर पर दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हेमनापुर में भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा डॉ भीम राव अम्बेडकर की 134वीं पर आयोजित

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । बल्दीराय तहसील क्षेत्र के वल्लीपुर, हेमनापुर में भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा डॉ भीम राव अम्बेडकर की 134वीं पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए इसौली से सपा विधायक मो० ताहिर खान ने कहा कि अखंड भारत का सपना बाबा साहेब के संविधान से ही पूरा हो सकता है। विधायक ने आगे बोलते हुए कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों पर चल कर इसौली के एक बेहतर भविष्य के निर्माण के साथ साथ शिक्षा को बढ़ावा देना हम सब की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की शुरुवात बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई,मुख्य वक्ता मस्तराम बौद्ध,राजकुमार बौद्घ, प्रदीप यादव ने अपने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि मोती लाल वर्मा व विशिष्ट अतिथि सोभानाथ बौद्ध, जगजीवन रावत,वंशराज बौद्ध,श्रीपाल पासी,जय प्रकाश,हरिशंकर सहित सपा ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश यादव,उमाकांत यादव,बद्री प्रसाद,राम नारायन यादव, लुकमान अली,मो०अनवर,सोनू कोरी,रमेश यादव सहित सैकड़ों की संख्या में आम जन मानस मौजूद रहा।कार्यक्रम का सफल संचालन मास्टर जमालुद्दीन ने किया।

एक बार फिर वक्फ की जमीन पर भूमाफियाओं ने किया कब्जे का प्रयास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वक्फ संशोधन बिल संसद में पास होने के बाद कानून का रूप ले चुका है। ऐसे में जिले में

भूमाफियाओं की सक्रियता एक बार फिर बढ़ गई है। ताजा मामला नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के हमाम दरवाजा स्थित वक्फ बिक्कानी बीबी 301 ए अराजी नंबर 17 की जमीन पर रविवार की भोर में 4 बजे कब्जा करने का प्रयास एक बार फिर किया गया। हालांकि मुतवल्ली सै. मो. हसन नसीम ने तत्काल इसकी सूचना 112 से पुलिस को दी और शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्रा को भी इसकी सूचना देकर काम रोकवा दिया। गौरतलब है कि इससे पूर्व 30 दिसंबर 2023 को भी कड़ाके की ठंड में सुबह बड़ी संख्या में मौजूद भूमाफियाओं ने इस जमीन पर कब्जा करने का प्रयास आधुनिक मशीन के जरिए बाउंड्री कराकर किया था। तब भी तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट ने इस कार्य को रोकवाते हुए जांच के आदेश दिए थे। शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा ने दोनों पक्षों को बुलाकर काम न करने का निर्देश दिया था लेकिन वक्फ संशोधन बिल जैसे ही कानून का रूप लिया भूमाफियाओं की बेचैनी बढ़ गई और साजिश के तहत इन लोगों ने रविवार की सुबह हजारों की संख्या में ट्रैक्टर पर ईंटों को मंगाकर भोर में 4 बजे से जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। इस संबंध में मुतवल्ली सै. मो. हसन नसीम ने बताया कि यह जमीन वक्फ बोर्ड में दर्ज है और इससे पूर्व जिसने भी इस जमीन की रजिस्ट्री कराई वक्फ बोर्ड के शिकायत पर शासन द्वारा जांच की गई और रजिस्ट्री को रद्द भी किया जा चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रात के अंधेरों में भूमाफिया इस जमीन पर कब्जा क्यों करना चाहते हैं? उन्हें कहीं यह डर नहीं सता रहा है कि यह जमीन समाज के कल्याण के लिए स्कूल, हॉस्पिटल या अन्य कार्यों में उपयोग के लिए तो नहीं किया जा सकता। ऐसे में उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर भूमाफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है।

नई शिक्षा नीति के तहत एलएलएम (मास्टर ऑफ लॉ) कोर्स की जल्द विश्वविद्यालय में होगी शुरुआत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत एलएलएम (मास्टर ऑफ लॉ) कोर्स की शुरुआत होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसी सत्र से इस कोर्स को प्रारंभ करने की योजना बनाई है। विद्या परिषद की बैठक में इस कोर्स को मंजूरी मिल चुकी है। कोर्स में कुल 20 सीटें निर्धारित की गई हैं। छात्रों को प्रवेश के लिए पीयूकैट परीक्षा देनी होगी। परीक्षा में सफल होने वाले छात्रों को ही प्रवेश मिलेगा। कोर्स की वार्षिक फीस 60,000 रुपये निर्धारित की गई है। विधि विभाग में पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस मामले में सोमवार को बात करते हुए परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के साथ गाजीपुर और जौनपुर के कई महाविद्यालयों में भी विधि की पढ़ाई होती है। प्रशासन के अनुसार, यह कोर्स विधि के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। नई शिक्षा नीति के तहत यह कोर्स विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देगा। यह कानूनी अनुसंधान और उच्च अध्ययन में छात्रों की मदद करेगा। विश्वविद्यालय जल्द ही प्रवेश प्रक्रिया की अधिसूचना जारी करेगा।

एलडीए में बाबा साहेब की 134वीं जयंती मनाई गई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के गोमतीनगर स्थित मुख्यालय में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती बहुत धूमधाम से मनाई गई। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए जयंती समारोह में एलडीए सचिव, उपसचिव सहित एलडीए कर्मियों के परिवारजनों ने भी भाग लिया। बाबा साहेब को नमन करते हुए वक्ताओं ने सम्विधान रचियता के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के बाद सभी के लिए भोजन की शानदार व्यवस्था की गई थी। इसके पश्चात शाम को भव्य शोभायात्रा का आयोजन

किया। अम्बेडकर शोभायात्रा एलडीए परिसर से निकल कर अम्बेडकर पार्क तक गई और वहां बाबा साहेब को नमन करने के बाद वापस एलडीए मुख्यालय पर सम्पन्न हुई।ध एलडीए एससी एसटी अधिकारी कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष निर्मल कुमार ने अम्बेडकर जयंती पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने अंग्रेजों के समय पढ़ने का साहस दिखाया जब दलितों पिछड़ों को पढ़ने लिखने नहीं दिया जाता था। समाज को पढ़ाई लिखाई करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब की वजह से ही दलित समाज निरंतर तरक्की कर रहा है। समिति के महामंत्री पुत्ती लाल सिंह ने कहा कि एलडीए सचिव, उपसचिव सहित पूरा एलडीए परिवार जयंती समारोह में शामिल हुआ जिसके लिए हम सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से अम्बेडकर जयंती मनाई गई है और पूरे समाज को बहुत बहुत शुभकामनाएं व बधाई देते हैं।

पीएनबी ने 131वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक ने अपना 131वां स्थापना दिवस मनाया । विभूति खण्ड, गोमती नगर स्थित पीएनबी के अंचल कार्यालय लखनऊ में स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस समारोह में लखनऊ अंचल के अंचल प्रबन्धक मृत्युंजय, उप अंचल प्रबन्धक सै.अ. हु. काजमी, मंडल प्रमुख–लखनऊ, राज कुमार सिंह के साथ बैंक के सभी वरिष्ठ अधिकारी, अन्य स्टाफ सदस्य व सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे । समारोह में सर्व प्रथम पीएनबी के संस्थापक पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर पुष्पहार व पुष्पांजलि अर्पित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई । अंचल प्रबन्धक मृत्युंजय ने बताया कि बैंक द्वारा स्थापना दिवस, पूरे सप्ताह 07 अप्रैल से 12 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सभी शाखाओं की साफ –सफाई व सजावट, मंडलों में कार्मिकों व ग्राहकों हेतु रक्तदान ध स्वास्थ्य जागरूकता शिविर चिकित्सा जाँच शिविर, शाखाओं में ग्राहकों/आम जन को डिजिटल/वित्तीय साक्षारता कार्यक्रम, पौधरोपण कार्यक्रम और ग्राहकों के शिकायतों के निवारण हेतु विशेष ग्राहक बैठक आयोजित कर बैंक के विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गयी और अंत में सम्मानित ग्राहकों का आभार व्यक्त कर स्थापना दिवस मनाया गया । बैठक में बैंक की कॉर्पोरेट फिल्म भी दिखाई गयी व ग्राहकों ने भी शुभकामनाएं देते हुए अपने उदगार व्यक्त किए । आगे अंचल प्रबन्धक ने बताया कि "साइबर जागरूकता अभियान" के तहत बैंक के स्टाफ सदस्यों द्वारा साइबर अपराध/धोखाधड़ी के प्रति आम नागरिको के जागरूकता हेतु पैदलमार्च (वाकथान) किया गया और आम जनता/ग्राहकों को साइबर अपराध धोखाधड़ी से बचाव एवं रोकथाम हेतु जानकारी प्रदान की गयी । अपराह्न में, अंचल प्रबन्धक व उप अंचल प्रबन्धक द्वारा केक काटकर एवं स्टाफ सदस्यों व उनके परिवार द्वारा संस्कृत कार्यक्रम का आयोजन कर स्थापना दिवस भव्यता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर उच्चाधिकारियों सहित अन्य स्टाफ सदस्यगण, सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य एवं सम्मानित ग्राहक उपस्थित रहे। लाला लाजपत रायजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अंचल प्रबन्धक मृत्युंजय, सै.अ. हु. काजमी, मंडल प्रमुख, लखनऊ राज कुमार सिंह एवं साथ में अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य ।

आबकारी विभाग में डीईओ व अन्य कर्मियों ने पुष्प अर्पित कर मनाया डा0 भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शहर से लेकर गांव तक जहां एक तरफ संविधान के रचयिता तथा भारत रत्न से सम्मानित डॉ भीमराव अंबेडकर का 133 वीं जयंती सभी सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालय में मनाया गया। वहीं इसी कड़ी में सोमवार को आबकारी विभाग में भी डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।इस मौके पर जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चंद्र मिश्र ने भारतीय संविधान के रचनाकार डॉ भीमराव अंबेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके जीवन पर अपने विचार प्रकट किया। इस मौके पर आबकारी निरीक्षक शहर अरविंद कुमार शुक्ल, आबकारी निरीक्षक बीकापुर आनंद शुक्ल, आबकारी निरीक्षक सोहावल कुलदीप सिंह, आबकारी निरीक्षक मिल्कीपुर विवेक पाठक, आबकारी निरीक्षक रुदौली राजलक्ष्मी सहित आबकारी विभाग के सभी कर्मचारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

समाजवादी भारत बाबा साहब का सपना - डॉ. अमित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी मजदूर सभा, जौनपुर की तरफ से कलेक्ट्रेट के सामने अर्जुन भवन में बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर जी की जयंती पर स्वाभिमान स्वमान समारोह का आयोजन किया गया। बाबा साहब के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। संविधान के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सबने बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव डा. अमित यादव ने कहा की बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से पीडीए समाज को स्वाभिमान और सम्मान के साथ जीने का हक दिया। संविधान ही पीडीए का संजीवनी हैं। आज भाजपा की बुरी नजर संविधान पर हैं। भाजपा और उनके संघी साथियों ने सदैव बाबा साहब का अपमान किया और उनके संविधान को कमजोर किया। श्री यादव ने कहा कि बाबा साहब की जयंती से एक दिन पूर्व इलाहाबाद में गेहूं का बोझ ढोने से इंकार करने पर दलित मजदूर को जिंदा जलाने की घटना से स्पष्ट हैं कि आज भी सामंतवाद जिंदा हैं। समाजवादी विचारधारा ही सामंतवाद का समूल विनाश करेगी। आगे अमित यादव ने कहा जैसे बाबा साहब ने संविधान बनते समय उन लोगों के साथ भी कोई भेदभाव नहीं किया जिन लोगों उनके आजीवन उनके साथ भेदभाव किया था वैसे ही पीडीए किसी के साथ कोई अन्याय नहीं करेगा बल्कि वंचित कमजोर को स्वाभिमान और स्वमान के साथ जीने का अधिकार देगा। समारोह को प्रदेश सचिव समाजवादी मजदूर सभा साहब लाल गौतम, प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ डॉ शबनम नाज एवं अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इलाहाबाद में दलित मजदूर की मौत पर एक मिनट का मौन भी रखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा और संचालन जिला महासचिव मंजय कन्नौजिया ने किया। आखिर में समाजवादी मजदूर सभा के सभी कार्यकर्ता पद यात्रा कर बाबा अमर रहें और बाबा साहब के सम्मान में समाजवादी मैदान में के नारों के साथ अंबेडकर तिराहे पर पहुंच कर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

'राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी को रेड क्रॉस ने किया सम्मानित'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस पर रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकर्ताओं ने जिला सचिव डॉ० विजय जौहरी के नेतृत्व में जनपद के अग्निशमन कार्यालय में जाकर मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह, अग्निशमन अधिकारी डॉ० बी० एन० पटेल लीडिंग फायरमैन नेक सहाय, लीडिंग फायरमैन मोहनलाल वर्मा, फायर सर्विस चालक सत्यालाल गौतम, फायरमैन रामपाल सिंह, फायरमैन देवेंद्र कुमार, फायरमैन संतोष कुमार को उनके उधम साहस एवं अग्निशमन तथा रेस्क्यू कार्य में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य हेतु सोसाइटी का प्रतीक चिन्ह देकर एवं शाल ओढ़ाकर एवं मिष्ठान वितरण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी ने उपस्थित लोगों को आग से बचाओ हेतु विस्तार से उपाय बताए। जिला सचिव डॉ० विजय जौहरी जी ने बताया कि जनपद के लिए गर्व की बात है।

हमे बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करना चाहिए हमारा संविधान ही हमारा स्वाभिमान है – डॉ दिनेश चंद्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर जी जयंती को 14 अप्रैल से 28 अप्रैल तक हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के टैगलाइन के अर्न्तगत उत्सव के रूप में मनाया जा रहा हैं।इसी क्रम में सोमवार को बाबा साहब के जयंती पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी ने भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर, पुष्प अर्पित कर तथा द्वीप प्रज्ज्वलित कर नमन किया। मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह, उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्प आर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब ने मानव कल्याण, सामाजिक समरसता, महिला उत्थान को संविधान में विशेष स्थान दिलाया। अपने प्रारंभिक जीवन में विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा के माध्यम से उत्कृष्ट शिखर पर पहुचंकर एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया तथा शिक्षा के महत्व को बताया। स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान भारत की एकता, अखंडता सुनिश्चित करने हेतु स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में उर्जा भरने के साथ ही ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जो समाज की मुख्यधारा से वंचित था। उन्होने ऐसे सभी वर्ग के लोगों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ा। संविधान रचयिता के रूप में मौलिक अधिकारो, महिला अधिकारों सहित विभिन्न कर्तव्यों, दायित्वों का बोध कराया। मानवता के इस प्रकाशपुन्ज को हम आज सभी नमन करते है। उन्होने कहा कि हमे बाबा साहब के जीवन दर्शन को आत्मसात करना चाहिए। हमारा संविधान ही हमारा स्वाभिमान है। हमारा दायित्व है कि हम संविधान में प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। अध्यक्ष कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ विजय प्रताप सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला थाने में भी मना डॉ अंबेडकर की 133 वीं जयंती

अयोध्या।संविधान के रचयिता तथा भारत रत्न से से सम्मानित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती महिला थाना परिसर में भी मनी।इस

मौके पर सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह तथा महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने डॉ भीमराव अंबेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके द्वारा देश के हित में किए गए पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखकर समाज को एक समान लाने का काम किया।उनके द्वारा किए गए कार्यों को बुलाया नहीं जा सकता हमें उनके बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए।इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक प्रिया,उव निव सोनी ,उव निव श्वेता, म0का0 रंगीता साहिनी, म0का0 कवितासिंह, म0का0 साक्षी शुक्ला,म0का0 रेशू, म0का0पायल सरोज, म0का0 जयश्री, म0का0 नेहा मिश्रा, म0का0 ज्योति सिंह, नेहा, रोली सहित अन्य महिला थाना की कर्मियों ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

अनिल त्रिपाठी चुने गए एक्स-रे टेक्कनीशियन के जिलाअध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर

अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय में रविवार को उत्तर प्रदेश एक्स–रे टेक्कनीशियन एसोसिएशन के जनपद इकाई की कार्यकारिणी का गठबंधन किया गया चुनाव अधिकारी ने जिला चिकित्सालय के अनिल त्रिपाठी को एक्सरे टेक्नीशियन का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया सीएचसी रामनगर के रामलगन को सचिव और उपध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह को चुना गया सहमंत्री सीएचसी मछलीशहर की रीना कुमारी संयुक्त सचिव सोमेश राव को चुना गया

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।